(A19)

Estd. in 1956

Regn. No. F-982 (Mumbai)

The Buddhist Society of India (Regd.), Shahdara Zone, Branch Vishwas Nagar

भारतीय बौद्ध महासभा (पंजी.), शाहदरा क्षेत्र, शाखा विश्वास नगर

Founder President : Late Bodhisattava Baba Saheb Dr. B.R. Ambedkar, M.A., Ph.D., D.Sc., Bar-at-Law, LLD., D.Lit.

State Office :
Buddha Vihar, Ambedkar Bhawan
Rani Jhansi Road,
New Delhi - 110055 (INDIA)

Zonal Office :
Anand Buddha Vihar,
Bhim Gali, Vishwas Nagar
Shahdara, Delhi - 110032
M. : 9810249808

OFFICE OF UDM
Dy. No. 4092
Date 22/11/11

Ref. No. BSI/D/SZ/NN/ 8499/010/011

Dated 17/11-11 200
सतरह नवंबर - ग्यारह

PS to UDM

सेवामें,
शहरी विकास मंत्री,
भारत - सरकार

शराब के ठेके एवं ट्रांस पोर्ट रियायसी बस्तियों से बाहर किये जाने की मांग।
"केन्द्रिय शहरी विकास मंत्री को पत्र लिखा"।

नई दिल्ली- भारतीय बौद्ध महासभा ने शराब के ठेके एवं ट्रांसपोर्टों को रियायसी बस्तियों से बाहर अलग मार्किट बनाने की मांग की है। इस बावत केन्द्रिय शहरी विकास मंत्री, सचिव भारत सरकार, गृह मंत्रालय, उपराज्यपाल दि०, मु० मंत्री शीला दिक्षित दि० सरकार को पत्र लिखा है।

महासभा के महासचिव सोहनवीर सिंह बौद्ध ने लिखित पत्र में आला कमान हस्तियों को चेताया है कि इस मुद्दे पर अमल कर गौर की जाय। शराब के ठेकों को रियायसी बस्तियों से बाहर मार्किट बनाई जाय। जिससे आने-जाने वाले लोगों, महिलाओं, मासूम बच्चों, छात्राओं, छात्रों पर बुरा असर न पड़े। जिस प्रकार बीडी-सिगरेट की दुकानों के लिए स्कूल-कालेजों, के नीयर होने की पाबन्दी है। उसी प्रकार शराब की मार्किट और ट्रांसपोर्ट गोदाम बस्तियों से दूर होने चाहिए।

उपरोक्त विषय से संबंधित अजमेरी गेट इलाके में आसफ अली रोड पर ट्रांस पोर्ट गोदाम में लगी आग से मरने वालों के प्रति अफ़सोस, दुख जताया एवं शोक व्यक्त किया है। दिल्ली सरकार की चीफ मिनिस्टर से मरने वालों के परिवार वालों को पांच-पांच लाख रु दिये जाने की मांग की है। ट्रांसपोर्ट वाले भी परिवार वालों को अपने पास से पांच-पांच लाख रु दें दिल्ली गवर्मेंट और ट्रांस पोर्ट दोनों दस-दस लाख तुरन्त भुगतान करे। और घायलों को ढाई-ढाई हजार रु दि० सरकार और ट्रांसपोर्ट मालिक ढाई-ढाई हजार रु दे और जख्मी व्यक्तियों का इलाज सही ढंग से किया जाय।

महासभा के बौद्ध के मतानुसार दि० रा० रा० क्षेत्र में गुलाम भारत की आजादी के (64) चौसठ वर्ष बाद भी ऐसी हरकते देखने-सुनने को मिले तो दिल्ली को राजधानी को भारत की राजधानी कहते गर्व नहीं शर्म महसूस होती है। आप सब इन बातों से अनभिज्ञ तो हो नहीं सरकार चलाने का डंका पीटते हो। 'खैर'

नोट:- महासभा की पुरजोर अपील है कि गणतंत्र दिवस एवं संविधान दिवस 26 जनवरी 2012 से पूर्व एवं आने वाले चुनावों से पहले उदय होने से पूर्व यह कार्य सब जैसे आरक्षण, गुन्डा गर्दी, लूट पाट, बलात्कार, बेरोजगारी, आगजनी, घूसखोरी, भ्रष्टाचार, आऊट आफ़ स्टेशन काला धन आदि बातों, मुद्दों पर अंकुश पत्र मिलते ही लगना शुरु हो जाना चाहिए। अगर तख्ता पल्ट हो जाता है तो अवाम, जन मानस को दोष मत देना।

भवतु - सब्ब - मंगलम्

फोन 22300712

प्रेषक- सोहनवीर सिंह बौद्ध
591/7A/1 नकुल गली, विश्वास नगर
शा० दि०-110032